रांची में उद्यान-कृषि संस्थान

1625. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि और ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उद्यान-कृषि और विशेषकर परवल के लिए रांची में एक बड़ा संस्थान स्थापित किया है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस संस्थान का एक छोटा यूनिट मुंगेर जिले के बरियारपुर क्षेत्र में स्थापित करने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर) (क) भारतीय बागवानी अनुसन्धान संस्थान, बंगलौर के अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने क्षेत्रीय केन्द्र के रूप में रांची में एक केन्द्रीय बागवानी परीक्षणात्मक केन्द्र स्थापित किया है । यह क्षेत्रीय केन्द्र परवल सहित क्षेत्र के लिए सभी फल तथा सब्जियों के सुधार के लिए अनुसन्धान कार्य चलाता है ।

(ख) जी नहीं, श्रीमन् ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

कृषि कालेज तथा विश्वविद्यालय

1626. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि और ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कुल कितने कृषि कालेज और कृषि विश्वविद्यालय हैं तथा उनमें कितने विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार उनको प्रत्येक वर्ष में तीन महीने की अवधि के लिए किसानों के साथ खेतों पर काम कराकर व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर) : (क) देश में 22 कृषि विश्वविद्यालय, मुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा 3 केन्द्रीय विश्वविद्यालय यानी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, विश्व भारतीय तथा नार्थ ईस्टहिल यूनिवर्सिटी के अन्तर्गत 50 कृषि महाविद्यालय हैं । इन महाविद्यालयों में प्रत्येक वर्ष 5167 विद्यार्थियों के बी० एस० सी० (कृषि) डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश पाने की क्षमता है । इन महाविद्यालयों में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों की कुल संख्या लगभग 22300 है । इसके अतिरिक्त 31 गैर-सरकारी कृषि महाविद्यालय भी कार्य कर रहे हैं तथा आम विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध हैं ।

(ख) इन महाविद्यालयों के शैक्षणिक कार्यक्रम संबद्ध विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक परिषदों द्वारा संचालित किये जाते हैं । तथा पि, भारत सरकार इन संस्थानों का समन्वय तथा तकनीकी मार्गदर्शन करती है । जहां तक कृषि शिक्षा का सम्बन्ध है, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने पहले ही बी० एस० सी० (कृषि) डिग्री के लिए माडल पाठ्यक्रम तैयार किया है जिसमें से 45 प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक क्षेत्र परीक्षण दिया जायेगा यह संख्या कृषकों के खेतों पर उत्पादनपरक क्षेत्रीय व्यावहारिक प्रशिक्षण, ग्रामीण कार्य अनुभव और उत्पादन प्रशिक्षण के क्षेत्र में दिये जाने वाले कुल अपेक्षित 213 प्रशिक्षणार्थियों में से है ।

(ग) चूंकि प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त प्रावधान है इसलिए बी० एस० सी० (कृषि) डिग्री कार्यक्रम में आगे क्षेत्र प्रशिक्षण करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

Safety Guidelines in Chemical Industries

1627. SHRI K. VASUDEVA PANICKER: Will the Minister of: LABOUR be pleased to state:

(a) whether guideline for maintenanace of safety in chemical industries have re:ently been issued by Government';

if so, what are the details there-